

Government as to the utility of the large sized "Kucha" irrigation wells as a result of its investigations on 5 typical wells;

(b) if so, the details thereof;

(c) what is the result obtained by the Delhi Administration in this regard; and

(d) whether Government propose to popularise this scheme in all States?

**The Minister of Food and Agriculture (Shri A. P. Jain):** (a) The matter is still under investigation of the the Government of West Bengal.

(b) This does not arise.

(c) The site for well construction has been decided but work could not be started so far due to collection of rain water at the site. Efforts are being made to expedite the construction

(d) This will be considered on the basis of results that are achieved on the pilot schemes.

#### कृषि-अर्धशास्त्र अनुसन्धान केन्द्र

२५६८. श्री प्रकाश शीर शास्त्री : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कृषि-अर्धशास्त्र अनुसंधान केन्द्र भारत के कितने राज्यों में और कब से कार्य कर रहे हैं ; और

(ख) इन केन्द्रों पर अब तक कितना व्यय हुआ है ?

खाद्य तथा कृषि मंत्री (श्री अ० प्र० जैन) : (क) भारत सरकार ने सन् १९५४ में कई विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थाओं के सहयोग के साथ चार कृषि अर्ध-शास्त्र अनुसंधान केन्द्र स्थापित किये थे ।

उन केन्द्रों का स्थान और उन से सम्बन्धित क्षेत्र निम्न प्रकार हैं :—

संस्था/विश्वविद्यालय	सम्बन्धित राज्य
१. दिल्ली स्कूल आफ एकोनामिक्स, दिल्ली विश्व-विद्यालय, दिल्ली ।	दिल्ली, पंजाब और उत्तर प्रदेश ।
२. गोल्डे इन्स्टीट्यूट आफ पोलिटिक्स एन्ड इकोनामिक्स, पूना ।	बम्बई और मैसूर
३. मद्रास विश्व-विद्यालय, मद्रास ।	आन्ध्र, मद्रास और केरल ।
४. विश्व-भारती विश्वविद्यालय, शांतिनिकेतन ।	उडिसा, बिहार, पश्चिम बंगाल और आसाम ।

(ख) अभी तक इन केन्द्रों पर १२.७४ लाख रुपये खर्च किये गये हैं ।

#### Cowdung

**2569. Pandit Thakur Das Bhargava:** Will the Minister of Food and Agriculture be pleased to state:

(a) what is the approximate value of cowdung and urine available in the country annually;

(b) what quantities of nitrogen, potash and phosphates could be produced from these; and

(c) what is their value?

**The Minister of Food and Agriculture (Shri A. P. Jain):** (a) On the basis of cattle census, 1956, it is estimated that about 1,200 million tons of fresh dung and about 335 million tons of fresh urine is voided annually by the livestock population of India. It is not possible to indicate the money: